NBJK
Putting the Last First.....

नव भारत जागृति केन्द्र
NAV BHARAT JAGRITI KENDRA

सूचना-पत्र | News-letter

अक्टूबर – दिसम्बर 2018 | www.nbjk.org | October - December 2018

लोकनायक जय प्रकाश आँख अस्पताल : नेत्र सुरक्षा का एक प्रमुख संस्थान

पूरी दुनिया में दृष्टिबाधित लोगों की संख्या लगभग 28 करोड़ 50 लाख है, जिनमें 3 करोड़ 90 लाख दृष्टिहीन और 24 करोड़ 60 लाख क्षीणदृष्टि हैं. भारत में करीब डेढ़ करोड़ लोग अंधापन के शिकार हैं और कम से कम 20 लाख बच्चे गंभीर रूप से दृष्टिबाधित हैं. यहाँ यह जानना महत्वपूर्ण है कि अन्धेपन के 75% और दृष्टि दोष के 80% मामलों को रोका जा सकता है या उनकी चिकित्सा संभव है. वर्ष 2005 में नभाजाके द्वारा झारखण्ड के हजारीबाग जिला अंतर्गत चौपारण प्रखंड के बहेरा गाँव में साइटसेवर्स, कोलकाता के सहयोग से लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल (एलएनजेपीइएच) की स्थापना हुई थी. वर्ष 2012 में कांसुलेट जनरल ऑफ जापान कार्यालय, कोलकाता की ओर से भवन विस्तार में सहयोग मिला. सीबीएम, बंगलोर की मदद से अस्पताल की दूसरी इकाई का शुभारम्भ दुमका में वर्ष 2008 से हुआ है और एलएनजेपीइएच की दोनों इकाइयों द्वारा नेत्र सुरक्षा के बेहद जरूरतमंद लोगों तक सेवा पहुंचाई जा रही है.

एलएनजेपीइएच, बहेरा आइएसओ 9001:2015 अभिप्रमाणित 100 बिस्तरों का एक आधुनिक आँख अस्पताल है. यह झारखण्ड और बिहार के हजारीबाग, कोडरमा, चतरा, गिरिडीह, धनबाद, नवादा, नालन्दा, गया, औरंगाबाद आदि जिलों के नेत्र रोगियों को कम मूल्य पर स्तरीय सेवा प्रदान करता है. इसकी ओर से हजारीबाग, चतरा, शेरघाटी (गया) और बगोदर (गिरिडीह) में विजन सेन्टरों का भी संचालन भी किया जाता है, जो उन क्षेत्रों में प्राथमिक नेत्र स्वास्थ्य सुरक्षा सेवाएं प्रदान करते हैं. इस वर्ष हजारीबाग के सांसद और केन्द्रीय नागर विमानन राज्य मन्त्री श्री जयन्त सिन्हा ने अस्पताल परिसर में दवा और चश्मा केन्द्रों का उद्घाटन किया था और एक आधुनिक उपकरण (ऑप्टिकल बायोमीटर) खरीदने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के सीएसआर पहल के तहत 22 लाख रु० की सहयोग राशि भी प्रदान किया. इसी प्रकार पूर्वी झारखण्ड में एलएनजेपीइएच, दुमका आधुनिक उपकरणों से युक्त 50 बिस्तरों का एक किफायती आँख अस्पताल है. इस वर्ष इसके नवनिर्मित वार्ड का उद्घाटन दुमका के उपायुक्त श्री मुकेश कुमार ने किया और यहाँ कैन्टीन, डाइनिंग हॉल, चिकित्सक आवास जैसी सुविधाएँ बहाल हुई हैं. वीएमए, कोलकाता के डॉ० असीम सील की उपस्थिति में यहाँ श्रीमती जानकीदेवी बजाज के नाम पर एक नये ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन भी किया गया. अस्पताल की ओर से गोड्डा में स्थापित विजन सेन्टर द्वारा अभावग्रस्त ग्रामीण समुदाय के बीच किफायती नेत्र सुरक्षा सेवा की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है. वर्ष 2017–18 के दौरान एलएनजेपीइएच बहेरा में 46081 ओपीडी मरीजों (नये 31299) को देखा गया और 7885 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (निःशुल्क 4090, सःशुल्क 3755) किये गए. इसने 142 नेत्र जाँच शिविरों का आयोजन कर 12526 ओपीडी और मोतियाबिन्द के 4639 मामलों की पहचान भी किया है. इसी अवधि में एलएनजेपीइएच, दुमका द्वारा 8189 नेत्र रोगियों (नये 4034) को ओपीडी सेवा, 3647 मोतियाबिन्द सर्जरी (निःशुल्क 3200, सःशुल्क 447) और 147 अन्य सर्जरी जैसी सेवाएं प्रदान की गयी हैं. दूसरे शब्दों में एलएनजेपीइएच की दोनों इकाइयों के माध्यम से कुल 78513 ओपीडी (54270 अस्पताल में और 29494 शिविरों में) और 11639 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (7290 निःशुल्क और 4349 सःशुल्क) संपन्न हुए हैं. लगभग 15 वर्षों के इस कालखण्ड में एलएनजेपीइएच द्वारा 5 लाख से अधिक नेत्र रोगियों की चिकित्सा हुई है और 80 हजार से अधिक मोतियाबिन्द ऑपरेशन किये गए हैं. यह झारखण्ड–बिहार में किसी स्वयंसेवी संस्था संचालित आँख अस्पताल के लिए एक बड़ी उपलब्धि है. वर्तमान में एलएनजेपीइएच द्वारा मोतियाबिन्द सर्जरी (फेको और सिक्स), कंप्यूटर द्वारा आँख जाँच और पावर चश्मा, ग्लूकोमा का इलाज और सर्जरी, रेटिना सम्बन्धी चिकित्सा और ओसीटी, बी–स्कैन, ग्रीन लेजर, याग लेजर, एचएफए, एफएफए जैसी नैदानिक सेवाएं उपलब्ध करायी जाती हैं. डब्लूडीएफ, डेनमार्क की सहायता से इसकी बहेरा इकाई में एक आधुनिक रेटिना क्लीनिक स्थापित किया गया है. एलएनजेपीइएच की ओर से नेत्र सुरक्षा सम्बन्धी जागरूकता अभियान चलाया जाता है और साइटसेवर्स समर्थित नेत्र वसन्त, झारखण्ड ग्रामीण नेत्र स्वास्थ्य सम्बन्धी परियोजनाओं में इसकी सहभागिता है. ऐसे अनेक व्यक्ति, संस्थान और कॉरपोरेट घराने हैं, जो नेत्र सुरक्षा सेवाओं की अहमियत समझ कर अस्पताल द्वारा किये जाने वाले मोतियाबिन्द ऑपरेशन में सहयोग देते हैं. इस सन्दर्भ में डीवीसी, एनटीपीसी, एसबीआइ, एचडीएफसी बैंक, बीओआइ, वीएमए, गिवइंडिया, ग्लोबलगिविंग, केटीपीसी, अनुग्रह दृष्टि दान, डीबीसीएस, आदित्य बिड़ला फाइनेंसियल सर्विसेज, एलेक्ट्रोस्टील स्टील्स और अन्य का सराहनीय योगदान है, जो भारत को दृष्टिहीनता से मुक्त करने की मुहिम में सहयोगी हैं. अधिक जानकारी के लिए *www.lnjpeyehospital.com* पर जायें।

Lok Nayak Jay Prakash Eye Hospital: A Pioneer Institution for Eye Care

About 285 million people are visually impaired worldwide, 39 million are blind and 246 million have low vision. Of this blind population across the globe, over 15 million are from India and it is estimated that at least 200,000 children in India have severe visual impairment. Its significant that 75% cases of blindness and 80% cases of visual impairment can be prevented or cured.

In the year 2005, NBJK has established Loknayak Jay Prakash Eye Hospital at village-Bahera under Chauparan block of Hazaribag district with support of Sightsavers, Kolkata. In 2012, its building extension work was supported by the office of Consulate General of Japan, Kolkata. The second unit of LNJPEH initiated at Dumka in 2008 with support of CBM, Bangalore and both the units of LNJPEH are serving the people in dire need of eye care.

LNJPEH, Bahera is an ISO 9001:2015 accredited modern eye hospital with 100 beds capacity. It provides low cost quality service to the people from districts like Hazaribag, Koderma, Chatra, Giridih, Dhanbad, Nawada, Nalanda, Gaya, Aurangabad in Jharkhand & Bihar. Also it runs vision centers at Hazaribag, Chatra, Sherghati (Gaya) and Bagodar (Giridih) to address primary eye health care. This year, Mr. Jayant Sinha (MP-Hazaibag & Union Minister of State for Civil Aviation) has inaugurated its Medicine & Spectacle Center and also he provided AAI-CSR support worth Rs. 22 lakhs to purchase Optical Biometer, an advance equipment. Likewise LNJPEH, Dumka is a well-equipped, economy, 50 beded eye hospital in eastern Jharkhand. This year it's new ward was inaugurated by Mr. Mukesh Kumar (DC, Dumka) and facilities like canteen, dining hall & doctors' residence have been incorporated. Also opening of a new operation theatre in the name of Smt. Jankidevi Bajaj was ensured in presence of Dr. Asim Sil (VMA, Kolkata). The hospital runs a vision center at Godda to cater rural population lacking any affordable eye care service.

During 2017-18, LNJPEH Bahera has attended 46081 eye patients (new 31299) at OPD and performed 7885 cataract surgery (free 4090, paid 3755). It organized 142 eye screening camps with 12526 OPD and cataract identification of 4639. For the same period, LNJPEH Dumka offered OPD service to 8189 (new 4034), restored sight to 3647 (free 3200, paid 447) through cataract surgery and carried out 147 other surgeries too. Cumlatively both the units of LNJPEH have ensured 78513 OPD (54270 at base hospitals & 29494 at camps) and 11639 cataract surgery (7290 free & 4349 paid). In the time span of about 15 years, LNJPEH has catered more than 5 lakh eye patients and performed above 80,000 cataract surgery. This is a big achievement by any NGO run eye hospital in Jharkhand and Bihar.

Currently LNJPEH provides facilities like cataract surgery (Phaco & Sics), computerized eye check up & power glass, treatment & surgery for glaucoma, complete package of retina related treatment along with diagnostic services as OCT, B-Scan, Green Laser, Yag Laser, HFA, FFA etc. Also WDF, Denmark has supported the hospital to establish a modern retina clinic. LNJPEH plays a significant role in awareness generation about preventive eye care and partners in the projects of Netra Vasanta and Jharkhand Rural Eye Health in collaboration with Sightsavers. There are people, institutions and corporate houses who value the service of eye care and sponsor cataract surgery by the hospital. Many organizations like DVC, NTPC, SBI, HDFC Bank, BOI, VMA, GiveIndia, GlobalGiving, KTPC, Anugraha Drishti Dan, DBCS, Aditya Birla Financial Services, Electrosteel Steels and others have supported the cause to make India free from avoidable blindness. For further information kindly visit *www.lnjpeyehospital.com*

महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती पर विचार गोष्ठी

02 अक्टूबर 2018, अमृतनगर : आज नव भारत जागृति केन्द्र और हजारीबाग जिला लोक समिति के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसके विषय प्रवेश के क्रम में नभाजाके अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने कहा कि गाँधीजी केवल राष्ट्रपिता या स्वतंत्रता सेनानी नहीं बल्कि महामानव थे, जिन्होंने जीवन के हर क्षेत्र में अपने सिद्धांतों पर चलना स्वीकार किया और सर्वोदय, ट्रस्टीशिप जैसी मौलिक अवधारणाओं की मदद से सामाजिक–आर्थिक न्याय स्थापना का प्रयास किया. गाँधीजी ने एक व्यक्ति से लेकर राष्ट्रीय जीवन का खाका हमारे सामने रखा, महिला–अछूत को केन्द्र बनाकर सामाजिक बुराइयों को दूर करने का प्रयास किया और एक बेहतर दुनिया के लिए गाँधी विचारों के अलावा और कोई रास्ता नहीं है, ऐसा इनका मानना था. श्री बटेश्वर मेहता ने कहा कि सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के प्रतीक गाँधीजी मानव धर्म के पैरोकार थे. श्री अरविन्द झा ने दूसरों की पीड़ा समझने पर जोर देते हुए विनोबा भावे विवि में गाँधी अध्ययन केन्द्र खोलने की मांग किया. श्री शमशेर आलम ने महात्मा गाँधी को हिंदुस्तान की पहचान बताते हुए कहा कि उनके विचारों को मजबूत बनाने की जरूरत है. श्री नन्दलाल साव ने ईमानदारी के रास्ते की कठिनाइयों का जिक्र करते हुए सच्चे समाजसेवियों को मदद का तलबगार बताया. प्रो० के० पी० शर्मा ने गाँधीजी की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन्होंने पहले काम किया, तब सिद्धान्त बने, इसलिए उनके विचार आज भी कारगर और व्यावहारिक हैं. इन्होंने कहा कि गाँधीजी ने श्रम, सेवा और स्वावलंबन को सम्मान दिया, जिसके आधार पर एक नयी समाज रचना संभव है. डॉ० प्रसन्न मिश्र ने गाँधीजी को सर्वदेशीय और सर्वकालिक व्यक्तित्व बताते हुए आत्मसुधार पर बल दिया. समाजसेवी श्री अवधेश पांडेय ने समाज में साम्प्रदायिक सद्भावना को जरूरी माना. श्री अर्जुन यादव ने पढ़े–लिखे लोगों से जिम्मेदार बनने की अपील करते हुए कथनी–करनी में समानता बरतने आग्रह किया. मो० इस्लाम खान ने कहा कि महात्मा गाँधी मानव धर्म के पुजारी थे, जिन्होंने प्यार से सबों को जीत लिया. मो० खालिद ने कहा कि इस दुनिया में प्रेम और अहिंसा ही स्थायी है. अध्यक्षीय संबोधन के दौरान प्रो० आर० एस० अम्बष्ठ ने कहा कि गाँधीजी ने मनुष्य जीवन को समग्रता में देखा और मनुष्य हृदय का परिवर्तन उनका लक्ष्य था. मंच संचालन और धन्यवाद ज्ञापन श्री शंकर राणा ने किया. विचार गोष्ठी में अमृतनगर, ओरिया, रोला, बैहरी, सिंघानी, नूतननगर आदि गाँवों से लगभग 100 महिलाओं–पुरुषों की भागीदारी रही थी.

A Symposium on 150th Birth Anniversay of Mahatma Gandhi

02 October 2018, Amrit Nagar (Hazaribag): NBJK and Hazaribag district Lok Samiti have celebrated 150th birth anniversary of Mahatma Gandhi to remember Father of the Nation benevolently. A symposium was organized on this occasion and Mr. Girija Satish (President, NBJK & National Lok samiti) introduced about importance of the day. He said that Mahatma Gandhi is such a towering personality who deserves to be called much more than the father of the nation or a leader of freedom movement merely. He accepted the challenge to live with values and evolved many ideas like Sarvodaya, Trusteeship to establish socio-economic justice in India, NBJK president opined. Gandhiji outlined about a model life for any individual as well as for a nation and campaigned against social evils, he explained. Mr. Girija said that there is no way except Gandhi, if we want to make a better world. Mr. Bateshwar Mehta has branded Gandhi as the symbol of truth, non-violence and sanitation who represented our humanity. Mr. Arvind Jha talked about the empathy Gandhi Jee felt for all, also he demanded for a Gandhi Study Center at VBU in Hazaribag. Mr. Shamsher Alam identified Gandhi with India and insisted to strengthen his ideology. Mr. Nandlal Saw mentioned about hurdles with honesty and appealed to support genuine social workers. Prof. K. P. Sharma praised Mahatma Gandhi for developing a philosophy after practice only to bring change and guided for a new social order with dignity of labour, service & self-reliance. Dr. Prasanna Mishra called Gandhi Jee an all time global personality and put forth the value of self-examination. Mr. Awdhesh Pandey appealed for communal harmony, an all time issue for Gandhiji. Mr. Arjun Yadav requested educated people to be responsible and asked about the gap between their words & actions. Md. Islam Khan described Gandhi as a worshiper of humanity who won with love. Md. Khalid termed love and non-violence as eternal legacy from Gandhi Jee. From the chair, Prof. R. S. Ambashtha said that Mahatma Gandhi perceives human life as a whole and aims for inner change possible through love only. Mr. Shankar Rana anchored the dais and thanked all at the end. About 100 people from villages like Amrit Nagar, Oriya, Singhani, Nutan Nagar, Baihri, Rola etc. have participated in the meeting.

राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन आयोजित

10 दिसम्बर 2019, पटना : बिहार प्रदेश लोक समिति के तत्वावधान में किसानों के राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था. स्थानीय आइएमए हॉल में आयोजित इस किसान सम्मेलन के मुख्य वक्ता लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश ने खेती को अनिश्चित–अलाभकारी बताते हुए सूखा–बाढ़ और किसानों द्वारा आत्महत्या जैसी समस्याओं पर चिन्ता जाहिर किया. इन्होंने खेती पर निर्भर देश की 60% आबादी, 50% श्रम शक्ति और जीडीपी में 17–18% योगदान देने वाले कृषि सेक्टर की बदहाली के लिए सरकार की प्रतिकूल नीतियों को जिम्मेवार मानते हुए कहा कि गांवों से पलायन करने वाले लोग दूसरी जगहों पर प्रताड़ना–बीमारियों का शिकार बनते हैं और देश के विकास हेतु जरूरी है कि किसान की स्थिति में सुधार लाया जाए. लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कृषि उत्पादों की खरीद, उनके लिए समर्थन–लाभकारी मूल्यों के अभाव और करोड़ों रुपए की बेकार सिंचाई परियोजनाओं को सरकार की विफलता मानते हुए किसानों के लिए सिंचाई सुविधा बहाली को सर्वाधिक जरूरी बताया. बिहार में हर वर्ष के सूखे का हवाला देते हुए इन्होंने कहा कि परिश्रम के बावजूद उपज नहीं होने और सरकार द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाने से किसानों पर दोहरी मार पड़ती है. गिरिजा सतीश ने बिहार और पूरे देश में किसानों के मजबूत संगठन, लम्बी–शांतिपूर्ण लड़ाई पर बल देते हुए कहा कि किसान एक जाति है और उनके हितचिन्तक व्यक्ति या दल को ही उनका वोट मिलना चाहिए. इन्होंने राजनीतिक दलों–उम्मीदवारों से संकल्प पत्र भरवाने और किसान संगठनों द्वारा कृषि उत्पादनों के मूल्य निर्धारण की आवश्यकता पर बल दिया. बतौर मुख्य अतिथि सचिन शर्मा (स्थानीय सम्पादक, प्रभात खबर) ने किसान समस्या पर राजनीति से ऊपर उठकर सोचने का आग्रह किया. लोक समिति के राष्ट्रीय संयोजक श्री कौशल गणेश आजाद ने सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले कृषि क्षेत्र की बदहाली को दुर्भाग्यपूर्ण मानते हुए कहा कि स्वामिनाथन समिति द्वारा किसानों हेतु न्यूनतम समर्थन मूल्य को लागत मूल्य का डेढ़ गुणा करने सम्बन्धी सिफारिश लागू होनी चाहिए. सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे बिहार प्रदेश लोक समिति अध्यक्ष श्री विजय कुमार ने किसान समस्या समाधान हेतु दल निरपेक्ष आन्दोलन और लाभकारी मूल्य की जरूरत बताया. मंच संचालन करते हुए बिहार प्रदेश लोक समिति महामन्त्री श्री शिवजी सिंह ने संगठन की ओर से एक 15 सूत्री मांगपत्र प्रस्तुत किया, जिनमें सरकार द्वारा किसान प्रतिनिधियों के साथ मिलकर धान, गेंहू, गरमा, दलहन, तेलहन, दूध आदि का मूल्य लागत मूल्य से डेढ़ गुणा करने, ग्राम–क्षेत्र सभा द्वारा अनुमोदन के आधार पर छोटी सिंचाई परियोजनाओं–बोरिंग–नहर–पाइन द्वारा व्यापक सिंचाई कार्यक्रम और अधूरी परियोजनाओं को पूरा करने–उपयोगी बनाने, सूखाग्रस्त क्षेत्रों में विशेष रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम और सोलर पम्प बैठाने की योजना में किसानों को 95% अनुदान जैसी प्रमुख मांगें शामिल हैं. सम्मेलन में शामिल मुख्य लोगों में राघवेन्द्र प्र० सिंह, रामायण सिंह, चंद्रभूषण, क्रांति रासोश, गोदावरी, मंजुश्री, मीना देवी, सुबोध पांडेय, कल्याणी शर्मा, परमेश्वर यादव, मंतोष कुमार, राधेश्याम फिल्कुस, एम एन कर्ण, सत्येन्द्र कुमार, जगन्नाथ सिंह, विनोद शर्मा, मणि पांडेय, डॉ० उमेश प्रसाद, मानती वर्मा सिंह, रमाकान्त, शंकर राणा आदि शामिल थे. धन्यवाद ज्ञापन सौदागर दास (संयोजक, बिहार प्रदेश लोक समिति) ने किया. कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से लगभग 400 किसान थे.

State Level Farmers' Convention by Lok Samiti

10 December 2018, Patna: Bihar State Lok Samiti has organized a farmers' convention at IMA Hall, Patna. The key speaker of this program was Mr. Girija Satish (National President, Lok Samiti) who called farming as an insecure occupation with loss and expressed deep concern over drought, flood and suicide by farmers. He blamed adverse governmental policies for the mess in agriculture sector which is relied by 60% population, provides livelihood for 50% labour force and contributes about 17-18% to our GDP. Our farmers are disappointed as the government is unable to procure farm products, couldn't provide them profitable price and failed to irrigate their land through worthless irrigation projects spending millions of rupees, he mentioned. The national president of Lok Samiti has called for strong farmers' organizations and a long-peaceful advocacy for their causes. He opined that all farmers belong to one caste i.e., farmer caste and their votes must go to the person or party that can safeguard their interest. He suggested for filling up of Resolution Letter by political parties-candidates and about stake of farmers' bodies for pricing of agriculture products. As the chief guest of this convention, Mr. Sachin Sharma (Resident Editor, "Prabhat Khabar", Patna) has requested all to think over farmers' problem irrespective of mainstream politics. Mr. Kaushal Ganesh Azad (National Coordinator, Lok Samiti) grieved over agriculture sector that generates maximum employment but passing through a bad phase. He supported the reccomendation of Swaminathan Committee that suggests for minimum support price as one and a half times more than the cost price of agricultural products. Mr. Vijay Kumar (President, Bihar State Lok Samiti) has chaired the convention and called for the need of a non-political movement and benefit of profitable pricing to farmers. The program was anchored by Mr. Sheoji Singh (General Secretary, Bihar State Lok Samiti) who tabled a 15-points letter of demand for the state government. Bihar State Lok Samiti demanded for market price of paddy, wheat, rabi, pulses, oilseeds, milk etc. as one & a half times more that their cost price, a comprehensive irrigation program through micro irrigation-borewells-canal & value added finishing of incomplete projects, employment oriented program in drought affected areas, 95% subsidy for farmers to install solar pumps and other steps in favor of the peasants. Local community leaders like messrs Raghwendra Prasad Singh (ex-district councillor), Ramayan Singh, Chandrabhushan, Kranti Rasosh, Godawari, Manjushree, Meean Devi, Subodh Pandey, Kalyani Sharma, Parmeshwar Yadav, Mantosh Kumar, Radheshyam Filkus, Satyendra Kumar, Jagannath Singh, Vinod Sharma, Mani Pandey, Dr. Umesh Prasad, Manti Verma, Ramakant, Shankar Rana, Ray Sunderdev Sharma were other speakers on the occasion. The vote of thanks was delivered by Mr. Saudagar Das (Coordinator, BSLS). About 400 farmers from different districts of Bihar have participated in the convention.

रिमीडिअल कोचिंग केन्द्र के बच्चों को प्रोत्साहन

02 नवम्बर 2018, मंडईखुर्द (हजारीबाग) : नभाजाके द्वारा एचडीबी फाइनेंसियल सर्विसेज, मुंबई के सहयोग से संचालित रिमीडिअल कोचिंग केन्द्र, मंडईखुर्द में एचडीएफएस के राज्य स्तरीय पदाधिकारियों का दौरा हुआ था. मौके पर एनबीजेके के सचिव सतीश गिरिजा, कोषाध्यक्ष प्रभुनाथ शर्मा और परियोजनाकर्मी विक्रम कुमार, पिन्टू कुमार, योगेन्द्र प्रसाद (शिक्षक) के साथ यहाँ पढ़ने वाली 33 बच्चियां भी मौजूद थीं. अतिथियों के स्वागत में इन छात्राओं के बीच पेन्टिंग – गीत प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ और कुछ बच्चों ने नृत्य – स्केचिंग के माध्यम से भी अपनी कला का प्रदर्शन किया. एचडीएफएस के अधिकारियों ने इस रिमीडिअल कोचिंग केन्द्र में पढ़ने वाले सभी बच्चों के बीच लंच बॉक्स, पेंसिल बॉक्स, स्केच पेन, फुटबॉल (2 नग), स्किपिंग रोप (6 नग) भी वितरित किया. इस अवसर पर एचडीएफएस की क्षेत्रीय प्रबंधक रूचि राय ने छात्र–छात्राओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन का परिश्रम हमारे भावी जीवन को सुखमय बनाता है. एनबीजेके सचिव सतीश गिरिजा ने बच्चों को बाल विवाह के खतरों से आगाह करते हुए बताया कि 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों की शादी से अनेक शारीरिक–मानसिक समस्याएँ पैदा होती हैं. प्रभुनाथ शर्मा ने बच्चों के विवाह और अन्य समस्याओं की स्थिति में चाइल्डलाइन के टोलफ्री नंबर 1098 पर सूचना देने की सलाह दिया. इस कार्यक्रम में एचडीबी फाइनेंसियल सर्विसेज की पटना, कोडरमा, हजारीबाग और रांची शाखाओं से रूचि राय (क्षेत्रीय प्रबंधक, पटना), अमरनाथ गुप्ता (क्लस्टर प्रबंधक), मुकेश महतो (विक्रय प्रबंधक), समीर रंजन श्रीवास्तव (टेरिटरी प्रबंधक), अनुज सिंह (विक्रय अधिकारी), दिलीप दूबे (टेरिटरी प्रबंधक), प्रणय सहाय (एरिया प्रबंधक) और अंकित कुमार (विक्रय अधिकारी) शामिल थे. विदित हो कि एचडीएफएस, मुंबई के सहयोग से एनबीजेके द्वारा हजारीबाग के सदर और चुरचू प्रखंडों में ऐसे 30 रिमीडिअल कोचिंग केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें कक्षा 8, 9, 10 की लगभग 1000 बालिकाओं को गणित, विज्ञान और अंग्रेजी की निःशुल्क कोचिंग सुविधा मिलती है.

HDBFSL Officials' Visit at Remedial Coaching Center

02 November 2018, MandaiKhurd (Hazaribag): State level officials of HDB Financial Services, Mumbai, have visited Remedial Coaching Center (RCC) at village–MandaiKhurd (Hazaribag Sadar Block) to see the students and their activities. Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK), Mr. Prabhu Nath Sharma (Treasurer, NBJK), Mr. Vikram Kumar, Mr. Pintu Kumar (Project Staffs) and Mr. Yogendra Prasad (RCC Teacher) accompanied them on the occasion in presence of 33 girls students. These girls and their teacher greeted the guests and organized painting & song competitions along with revealing individual talent in sketching, dance etc. HDFS Officials have distributed Lunch Box, Pencil Box, Sketch Pens for each student and provided Football (02 nos.) and Skipping Rope (06 nos.) also for groups. During interaction with the students, Mrs. Ruchi Raj (HR RM – Patna) encouraged them and said that over foundation of student life, we can shape our future brightly. Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) cautioned about the hazards of Child Marriage as harmful effects upon body & mind if such marriage takes palce. Our daughters must be saved from this social evil, he suggested. Mr. Prabhu Nath Sharma (Treasurer & Project In-charge) recommended for Childline's toll-free number 1098 to be contacted in case of any unexpected problem with the students. HDFS visitors team was included with Mrs Ruchi Raj (HR-RM, Patna), Mr. Amarnath Gupta (Culuster Manager-CV, Ranchi), Mr. Manish Kumar Sharma (Area Manager-CV, Ranchi), Mr. Sachin Kumar (Collection Manager, Ranchi), Mr. Mukesh Kumar Mahto (Area Sales Manager, SF-Ranchi), Mr. Samir Ranjan Srivastava (Territory Manager, CV-Hazaribag), Mr. Anuj Kumar Singh (Senior Sales Officer, CV-Hazaribag), Mr. Dilip Kumar Dubey (Territory Manager, CV-Jhumritelaiya), Mr. Pranay Sahay (Area Manager, CV-Patna) and Mr. Ankit Kumar (Sales Officer, CV-Patna). Its noteworthy that with support of HDB Financial Services, Mumbai, NBJK runs 30 RCCs in villages of Sadar and Churchu blocks of Hazaribag district. The very program caters about 1000 girl students of class 8, 9 & 10 and offers them special classes for Science, Maths and English to make their schooling better.

बदलाव की वजह बने सामुदायिक सूचना केन्द्र

05 नवम्बर 2018, चकाई (जमुई) व देवघरः नभाजाके संचालित एसबीआइ ग्राम सेवा परियोजना के तहत गाँवों में स्थापित सामुदायिक सूचना केन्द्र लोगों की डिजिटल साक्षरता बढ़ाने में मददगार साबित हो रहे हैं. जिला जमुई (बिहार) के चकाई प्रखंड अंतर्गत रामचन्द्रडीह पंचायत के 5 गाँवों में कम्प्यूटरों और इन्टरनेट सुविधा से युक्त सामुदायिक सूचना केन्द्रों की स्थापना हो चुकी है. अनेक बच्चों और किशोर–युवाओं ने कंप्यूटर और नेट उपयोग सम्बन्धी बुनियादी बातों की जानकारी हेतु इन केन्द्रों में नामांकन करवाया है. हेठचकाई, पाटजोरी, गरही, ममतादीह और छछूडीह गाँवों के सा. सू. केन्द्रों में क्रमशः 72, 67, 36, 36 और 62 बच्चे आते हैं. इसी प्रकार देवघर सदर प्रखंड (जिला–देवघर, झारखण्ड) के अन्धरीगादर पंचायत स्थित बरसतिया, गादी, नावाडीह, रमलडीह और सहरी गाँवों में इन सूचना केन्द्रों पर 17, 15, 17, 13 और 12 बच्चे नामांकित हैं. इन दस गाँवों में आज न सिर्फ बच्चे और नौजवान बल्कि वयस्क–बुजुर्गों के लिए भी ये सामुदायिक सूचना केन्द्र काफी लाभप्रद सिद्ध हो रहे हैं और लोगों को मदद मिल रही है. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सीएसआर पहल के रूप में गाँवों के समावेशी विकास हेतु प्रारम्भ एसबीआइ ग्राम सेवा परियोजना की एक महत्वपूर्ण गतिविधि के रूप में कार्यरत इन सामुदायिक सूचना केन्द्रों पर ग्रामीणों के लिए आज अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं. वो यहाँ फोटोकॉपी, स्कैनिंग, आधार–राशन–पैन कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ, कलर प्रिन्टआउट, सरकारी योजनाओं जैसे वृद्धा पेंशनउज्ज्वला गैसधकिसान क्रेडिट कार्डध्फसल बीमाध्डीजल सब्सिडी, मोबाइल रिचार्ज, पैसा लेन–देन की सेवा प्राप्त कर सकते हैं. इन्टरनेट आधारित सेवाओं जैसे वेबसाइट–ईमेल–यूट्यूब, रेल समय सारणी–यात्रा आरक्षण, रोजगार हेतु ऑनलाइन आवेदन आदि से युवाओं की सहूलियत बढ़ी है. अब ये तत्काल संचार, संपर्क और संवाद के लिहाज से ग्रामीणों में काफी लोकप्रिय होते जा रहे हैं. पहले इन गाँवों के लोग यहाँ उपलब्ध सेवाओं और सुविधाओं की तलाश में 10–15 किमी दूर चकाई या देवघर जाते थे. सामुदायिक सूचना केन्द्रों ने ग्रामीण इलाकों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दिया है और इस प्रयास को लोगों ने पसन्द भी किया.

Community Information Centres Facilitate Digitalization in Villages

05 November 2018, Chakai (Jamui) & Deoghar: Community Information Centres (CICs) inside villages by SBI Gram Seva project are being proved like a tool for digitalization of the people. In Chakai block of Jamui district (Bihar), CICs have been established in 5 villages under Ramchandradih panchayat and these are well equipped with computers and internet connectivity. Many village children & youths are enrolled there to learn basic knowledge of computer & net surfing. There are 72, 67, 36, 36 and 62 students at Heth Chakai, Patjori, Garhi, Mamtadih and Chhachudih villages based CICs respectively, who joined computer classes there. Likewise in Barsatiya, Gadi, Nawadih, Ramaldih and Sahri villages of Andhrigadar panchayat under Deoghar Sadar block (district-Deoghar), such CICs are catering 17, 15, 17, 13, 12 students there and serve people to the best of their capacity. All these CICs are part of an itegrated project "SBI Gram Seva" by NBJK for community development, an CSR initiative from State Bank of India. There are services like making photocopies, scanning & access to important documents as Adhar/Ration/PAN Cards/Passport Size Photograph/Color Print Out, linkage to the Govt. Schemes like Old Age Pesion/Ujjwala Gas/Kisan Credit Card/Crop Insurance/Diesel Subsidy, Mobile Recharge, Money Transfer etc. available at CICs and they provide other Internet based facilities like searching website, youtube or e-mail also. The youths come here to know train time-table, journey reservation or to fill online application also. Earlier the village people from these panchayats used to go to Chakai or Deoghar to avail such services. Now the CICs are facilitating digital literacy in rural areas and people responded well.

मुकुल माधव फाउंडेशन के सहयोग से 130 मोतियाबिन्द मरीजों का ऑपरेशन

03–06 दिसम्बर 2018, बहेरा (चौपारण, हजारीबाग): फिनोलेक्स मुकुल माधव फाउंडेशन, पुणे की मदद से एलएनजेपीइएच द्वारा मोतियाबिन्द के 130 मरीजों की आँखों का ऑपरेशन हुआ. नभाजाके संचालित यह अस्पताल हजारीबाग जिला के चौपारण प्रखंड अंतर्गत बहेरा गाँव में अवस्थित है. इस अवसर पर फिनोलेक्स झारखण्ड–बिहार के उपप्रबंधक श्री प्रिय मूर्ति और विक्रय कार्यकारी श्री विजय कुमार मरीजों और उनकी आँख सर्जरी को मॉनिटर करने के लिए उपस्थित थे. श्री विजय ने बतलाया कि जरूरतमंद लोगों के बीच निःशुल्क दृष्टि दान से सम्बन्धित इस सीएसआर पहल के पहले चरण में कुल 100 मोतियाबिन्द ऑपरेशन का लक्ष्य था, जो पूरा हुआ. श्री सतीश गिरिजा (मन्त्री, नभाजाके) ने अस्पताल द्वारा निर्धन लोगों की दृष्टि वापसी के लिए फिनोलेक्स मुकुल माधव फाउंडेशन के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमारी संस्था गरीब और लाचार लोगों की मदद के लिए प्रतिबद्ध है. श्री गन्धर्व गौरव (निदेशक, एलएनजेपीइएच) ने बताया कि निकट भविष्य में अस्पताल द्वारा रेटिना सर्जरी और नेत्र प्रत्यारोपण जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध करायी जाएंगी. उन्होंने कहा कि यह झारखण्ड और बिहार के लोगों को नेत्र सुरक्षा सम्बन्धी स्तरीय सेवा प्रदान कर रहा है और अपने कवरेज क्षेत्र में मोतियाबिन्द निवारण पर इसकी एक ख्याति है. श्री करूणानिधि (सहा. प्रबंधक, एलएनजेपीइएच) ने मोतियाबिन्द की जांच–सर्जरी के लिए अस्पताल की ओर से गाँवों में चलने वाले अभियान और लोगों पर उसके प्रभाव की जानकारी दिया. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ० उमेश कुमार, डॉ० आलोक कुमार, डॉ० धीरज विक्रान्त, विनोद कुमार स्वर्णकार, विक्रान्त सिंह, उज्जवल ठाकुर, मंटू रजक, अभिषेक सिंह, दिनेश राम और संजय रजक की टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसकी वजह से मोतियाबिन्द से पीड़ित 130 लोगों के आँखों की रौशनी लौटी.

Cataract Surgery Sponsored by Mukul Madhav Foundation

03 – 06 December 2018, Bhaera (Chouparan, Hazaribag): 130 cataract patients have met their surgery under auspices of Finolex Mukul Madhav Foundation, Pune at Loknayak Jay Prakash Eye Hospital being run by NBJK at village – Bahera in Chouparan block of Hazaribag district. On this occasion officials from Finolex Jharkhand-Bihar, Mr. Priya Murti (Dy. Manager) and Mr. Vijay Kumar (Sales Executive) were present. Mr. Vijay has informed about the target of 100 cataract operations during phase I of their CSR initiative towards free of cost vision restoration among needy people. Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) applauded the support from Finolex Mukul Madhav Foundation for sight return of poor people through cataract surgery by LNJPEH. He said that our organization is committed to serve poor & helpless people. Mr. Gandharv Gaurav (Director, LNJPEH) has assured about advance treatment facility like retina surgery and eye transplant by the hospital in near future. LNJPEH is providing quality eye care service to people of Jharkhand as well as from Bihar and earned a good reputation for cataract eradication in its coverage area, he said. Mr. Karunanidhi (Asst. Manager, LNJPEH) has shared about the anti-cataract drive in villages by the hospital and people's response. A team of Dr. Umesh Kumar, Dr. Alok Kumar, Dr. Dhiraj Vikrant, Vinod Kumar Swarnkar, Vikrant Singh, Ujjwal Thakur, Mantu Rajak, Abhishek Singh, Dinesh Ram and Sanjay Rajak have worked hard to make the campaign successful and vision restored to all 130 people suffering from cataract.

बाल पत्रकारों का किशोर-किशोरी सम्मेलन

17 दिसम्बर 2018, राँची: यूनिसेफ झारखण्ड के सहयोग से नभाजाके द्वारा बाल पत्रकारों हेतु आयोजित किशोर–किशोरी सम्मेलन का उद्घाटन कांके विधान सभा क्षेत्र के विधायक श्री जीतू चरण राम और श्री सतीश गिरिजा (मन्त्री, नभाजाके) द्वारा किया गया. श्री जीतू चरण राम ने बाल पत्रकार कार्यक्रम संचालन हेतु यूनिसेफ और नभाजाके की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसके माध्यम से स्कूली बच्चों के लिए एक ऐसा मंच उपलब्ध करवाया गया है जो उन्हें प्रभावशाली अभिव्यक्ति प्रदान करने के साथ–साथ उनकी सृजनात्मक प्रतिभा को भी निखारता है. विधायक जी ने कहा कि ये बाल पत्रकार सचमुच प्रतिभाशाली हैं, जो बाल विवाह और बाल श्रम जैसे विषयों पर इतने प्रभावशाली तरीके से लिखते हैं. इन्होंने समाज के समावेशी विकास हेतु बाल अधिकारों की सुरक्षा और प्रोत्साहन को जरूरी बताया. श्री सतीश गिरिजा ने बाल पत्रकार कार्यक्रम को अन्य कार्यक्रमों से अलग बताते हुए कहा कि यह बच्चों के जीवन को एक सकारात्मक दिशा देता है. श्री राजेश झा (मीडिया समन्वयक, यूनिसेफ–राँची) ने बाल अधिकारों की जानकारी देते हुए कहा कि बाल विवाह और बाल श्रम जैसी समस्याओं का हल सम्पूर्ण समाज की भागीदारी से ही हो सकता है. उन्होंने बाल अधिकार हनन के खिलाफ चल रहे अभियान में बाल पत्रकारों की भागीदारी को अहम बताते हुए उन्हें बधाई दिया. श्रीमती सुष्मिता भट्टाचार्जी (कार्यक्रम प्रबन्धक, नभाजाके) ने बाल पत्रकार कार्यक्रम के उद्देश्यों की चर्चा करते हुए साल भर की प्रमुख उपलब्धियों से परिचित कराया. सम्मेलन के दौरान अनेक बाल पत्रकारों ने भी मंच पर आकर अपने अनुभवों को साझा किया. मंच संचालन का काम सुरभि लोहरा और शुभम (बाल पत्रकारगण) कर रहे थे और श्री विवेक कुमार (एमआइएस समन्वयक) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन हुआ. आयोजन टीम में श्री अनूप, श्रीमती सरिता, सुश्री पूजा, श्री शिवचरण मुंडा शामिल थे. किशोर–किशोरी सम्मेलन में राँची जिला के 60 विद्यालयों से 150 से अधिक बाल पत्रकारों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया.

Adolescent Summit with Child Reporters

17 December 2018, Ranchi: UNICEF Jharkhand and NBJK have organized an Adolescent Summit for Child Reporters at hotel Capitol Hill, Ranchi. The program was inaugurated by Mr. Jeetu Charan Ram (MLA, Kanke) and Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) jointly. Mr. Jeetu Charan Ram appreciated UNICEF with NBJK for the program of Child Reporters that provided such a platform for school children to express themselves so productively and brushing up their talent with skill and creativity. These Child Reporters are really impressive as they are writing against topics like child marriage & child labour so amazingly, the MLA said. Mr. Ram advocated for protection and encouragement of child rights for allround development of the society. Mr. Satish Girija termed Child Reporters as a different program among various programs by NBJK and valued it as a channel to reshape children's lives through a positive perspective. Mr. Rajesh Jha (Media Coordinator, UNICEF-Ranchi) has explained about Child Rights in detail and focused upon the need to eradicate Child Marriage as a social obligation for all members of the society. He congratulated the Child Reporters to be a part of the campaign against violation of their rights. Mrs. Sushmita Bhattacharjee (Program Manager, NBJK) has briefed about the objectives of Child Reporter program and presented a summary of the annual achievements. Also many Child Reporters have come on the dais and shared their experience with the audience. The Adolescent Summit was anchored by surabhi Lohra and Shubham (both Child reporters) remarkably and the vote of thanks was delivered by Mr. Vivek Kumar (MIS Coordinator, NBJK). The organizing team was comprised of Messrs Anup, Sarita, Puja, Shivcharan Munda and more than 150 Child Reporters & teachers from 60 schools of Ranchi district have participated in the event.

177 दिव्यांग युवाओं ने रोजगार मेला में लिया हिस्सा

09 अक्टूबर 2018, राँची: वीएसओ इंडिया ट्रस्ट, नयी दिल्ली और रैंडस्टेट इंडिया, चेन्नई के सहयोग से नभाजाके द्वारा संचालित ***सहयोग*** कार्यक्रम के तहत दिव्यांग युवाओं हेतु रोजगार मेला का आयोजन किया गया. नेशनल कैरियर सर्विस सेन्टर (एनसीएस), राँची में इस रोजगार मेला का आयोजन भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय अंतर्गत कार्यरत एनसीएस और नभाजाकेन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था. इस मेला आयोजन में कॉरपोरेट क्षेत्र और नागर समाज का सहयोग मिला. इसका उद्देश्य बहाली की संभावना से युक्त नियोक्ताओं और प्रशिक्षण संस्थानों के साथ दिव्यांगों का परिचय और भावी योजनाओं पर संवाद कायम करना था. यदि कोई उम्मीदवार किसी कम्पनी और उसकी रिक्तियों में रूचि दिखाए तो उसके लिए तत्काल नियुक्ति साक्षात्कार की व्यवस्था थी. रोजगार मेला में कुल 177 दिव्यांग युवाओं की भागीदारी रही. रिलायंस रिटेल, निंबस बीपीओ, ब्लैक कोबरा समेत 5 कम्पनियों ने उम्मीदवारों हेतु नियोजन प्रस्ताव रखा. ऐसे दिव्यांग युवा, जो नए हुनर सीखना चाहते थे, उनके लिए यूथ4जॉब्स जैसे संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्ति का प्रस्ताव था, जो दिव्यांग युवाओं के रोजगार प्रशिक्षण और नियोजन पर काम करने वाली सबसे बड़ी संस्था है. आयोजन के अंत तक नियोक्ताओं अथवा प्रशिक्षण संस्थान की चयन प्रक्रिया में लगभग 50% प्रतिभागी शामिल हो चुके थे. नियोजन हेतु कुछ अभ्यर्थियों का चयन कर उन्हें नियुक्ति पत्र दिया गया जबकि अनेकों को दूसरे चरण के साक्षात्कार हेतु चुना गया. इस रोजगार मेला से कर्मचारियों की तलाश कर रही विभिन्न कम्पनियों और नियोजन की खोज में लगे युवाओं को एक साझा मंच मिला. दिव्यांग युवाओं को रोजगार से जोड़ने के इस प्रयास के फलस्वरूप उनके लिए आजीविका के अवसर और कम्पनियों हेतु समर्पित–दक्ष कार्यकर्ताओं की आमद सुनिश्चित हुई.

177 Differently Abled Youths Attended Job Fair

09 October 2018, Ranchi: A Job fair for the differently abled youths was organised under the program of ***SAHYOG*** with support of VSO India Trust, New Delhi and Randstat India, Chennai. The event took place under the aegis of NBJK and National Career Service (NCS), an initiative by Ministry of Labour and Employment, Govt. of India. The Job Fair or Rojgar Mela held at the National Career Service Centre, Ranchi and got support from both corporates & civil society. The focus was on introducing different employers with vacancies and training institutes to the differently abled and the other way around. If the contestant was interested in the company and it's vacancy, he or she could immediately go for a job interview. There were total 177 differently abled youths present at the Job fair. 5 companies including Reliance Retail, Nimbus BPO and Black Cobra have offered their placements for the aspirants. For the attendees those were looking to be skilled, also training institutes were present like Youth4jobs, the largest organisation in India that focuses on skilling and placing youth with disability for jobs. At the end of the day almost 50% of the attendees were in a selection procedure with one of the employers or training institutes. Some of them got directly selected and found a job on the day self, others got short listed for the second round and invited by the company for a second job interview. The job fair proved like an effective way to bring different kind of companies, vacancies and a lot of job seekers together. As the output, differently abled youth found jobs and companies get motivated employees.

अर्चना अब जाती है स्कूल (केस स्टडी)

अर्चना कुमारी मुकाम पोस्ट चौपारण, हजारीबाग की रहने वाली एक ग्रामीण बालिका है. वह कक्षा 7 की छात्रा है. उसके पिता एक मामूली किसान हैं. उनकी वार्षिक आमदनी रू० 40 हजार से भी कम है और उन्हें 5 व्यक्तियों के परिवार की देखरेख करनी होती है. इसी बीच अर्चना को अपनी पढ़ाई के दौरान देखने में कुछ तकलीफ होने लगी और उसे लगता था जैसे कि आँखों के सामने कुछ धुंधली आकृतियाँ बन रही हों. 13 अगस्त 2018 को अर्चना के पिताजी उसे लेकर लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल, बहेरा (चौपारण) आए और उसकी आँखों का परीक्षण किया गया. अर्चना की बायीं आँख का इन्टर ओकुलर प्रेशर 26 पाया गया, जबकि सामान्य रूप से इसे 20 से भी कम रहना चाहिए था. आदित्य बिरला कैपिटल द्वारा प्रदत्त एच एफ ए मशीन से इसके ग्लूकोमा की जाँच भी हुई. इसके पहले वह धुंधली दृष्टि के साथ लगातार सिर दर्द से परेशान रहती थी, जिससे उसकी पढ़ाई और स्कूल जाने पर बुरा असर पड़ रहा था. इन जाँच परीक्षणों के बाद अर्चना को कुछ दवाइयां दी गयीं और हमेशा पहनने के लिए एक चश्मा मिला. इससे उसकी स्थिति में सुधार आया. क्रमशः वह ठीक–ठीक देखने लगी और सिर दर्द से भी छुटकारा मिला. अब उसे पढ़ने–लिखने में कोई दिक्कत नहीं होती और वह स्कूल भी जाती है. बिना उपयुक्त और सही उपकरण के अर्चना के आँखों की जाँच संभव नहीं थी और उसके गरीब पिता को अपने घर से लगभग 400 किमी दूर कोलकाता जाना पड़ता और सिर्फ यात्रा व्यय में ही 2000 रू० से अधिक का खर्च बैठ जाता. लेकिन लोकनायक जयप्रकाश आँख अस्पताल ने अर्चना के गाँव के पास उसे स्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाते हुए उसकी पढ़ाई जारी रखने में मदद किया है. अब वह स्कूल जाती है और घर में भी पढ़ती है.

Archana Joins Her School (Case Study)

Archana Kumari is a village girl child from Chouparan, Hazaribag. She studies in class VII. Her father is a farmer earning less than Rs. 40,000 yearly and taking care of the family of 5 members. In the meantime, Archana encountered visibilty problem during her study time and started to feel something like fog in front of her eyes. Her father took her to LokNayak JayPrakash Eye Hospital, Bahera (Chouparan, Hazaribag) on 13 August 2018 and she went through the check up. Archana was examined there and found with Inter Ocular Pressure as 26 (left eye) while ideally it should be less than 20. She was then diagnosed using HFA donated by Aditya Birla Capital for Glaucoma check up. Before she was suffering from fog vision and a continuous headache affected her school classes badly. After correct findings, Archana was prescribed and given medicines with spectacle for regular use. That brought a change as she can see properly and doesn't complain for headache. Now she is well with her eyes to read or write. Without proper equipments, Archana's medication was not possible and her poor father was supposed to take her to Kolkata, about 400 km from their place with the travel expenditure worth Rs. 2000 and other expenses also. But LNJP Eye Hospital provided her quality treatment near her village and Archana keeps on her schooling smoothly.

परिकल्पना : **श्री गिरिजा सतीश**
प्रस्तुति : **विनय भट्ट**
नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय
ग्राम – अमृतनगर, पो. कोर्रा, जिला हजारीबाग (झारखण्ड)
द्वारा निजी एवं सीमित वितरण हेतु प्रकाशित।
दूरभाषः +91 8809672146, +91 9835751159
ई मेलः nbjkco@gmail.com; vinay.bhatta@nbjk.org